नईदुनिया

प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद लोअर सर्किट पर पहुंचे ईएमए पार्टनर्स के शेयर

नई दिल्ली

एग्जीक्यूटिव सर्च कंपनी ईएमए पार्टनर्स के शेयरों की स्टॉक मार्केट में 26.21 प्रतिशत प्रीमियम के साथ एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 124 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 156.50 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये उछल कर 158.80 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये गोता लगा कर 148.70 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद प्रीमियम ओपनिंग के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 19.92 प्रतिशत के फायदे में हैं।

ईएमए पार्टनर्स लिमिटेड का 76.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 147.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 444.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 167.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 66.14 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.96 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी में लीडरशिप टीम को बढ़ाने, अपने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 3.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में शुद्ध लाभ में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई और लाभ का ये आंकड़ा 38.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई 2024 के बीच कंपनी को 4.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 26.33 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

अच्युत घटक कोल इंडिया बोर्ड में निदेशक 'तकनीकी' नियुक्त, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अच्युत घटक को बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) नियुक्त किया है। अच्युत घटक ने अपना कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने बी. वीरा रेड्डी का स्थान लिया, जो पिछले वर्ष अगस्त में सेवानिवृत्त हो गए थे। कोल इंडिया ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि अच्युत घटक को बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) के पद पर उनकी नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि 23 जनवरी, 2025 से उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि अर्थात 31 मार्च, 2028 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो प्रभावी रहेगी। सीआईएल ने अच्युत घटक के निदेशक (तकनीकी) का पदभार संभालने की जानकारी दी है। कोल इंडिया ने कहा कि हमें अच्युत घटक को डी(टी) सीआईएल के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने 1989 में हमारी सहायक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स में जूनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने वाले अच्युत घटक कोयला खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं। उल्लेखनीय है कि घटक ने कोयला खनन परियोजनाओं की देखरेख के लिए सीआईएल में पहली बार एमएस-प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। उन्होंने 1 बीटी लक्ष्य के लिए रोडमैप तैयार किया। घटक ने सीआईएल के लिए भूमिगत विजन प्लान तैयार करने और उसे लागू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, सीआईएल के विजन 2047 की तैयारी में योगदान दिया और एमओसी के विजन 2047 दस्तावेज का मसौदा तैयार करने में सहायता की।

चंद्रबाबू नायडू ने वित्त मंत्री से मुलाकात में आंध्र प्रदेश के लिए मांगी वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में मुलाकात की।मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू ने राज्य से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा करके वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नार्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू ने राज्य से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा की और वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। चर्चा के दौरान उठाए गए प्रमुख मुद्दों में अमरावती के लिए हुडको ऋण और विश्व बैंक से वित्त पोषण शामिल थे। चंद्रबाबू नायडू पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी चर्चा करेंगे। नई दिल्ली में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद एन. चंद्रबाबू नायडू के शाम विजयवाड़ा लौटने की उम्मीद है।

डीपीआईआईटी ने विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए निजी फर्म से मिलाया हाथ

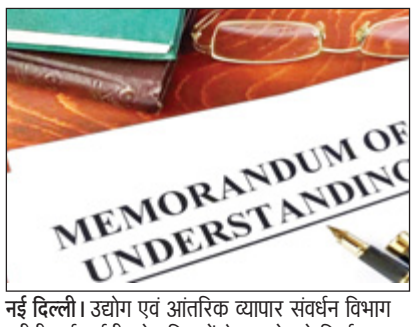

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने परिधानों के सबसे बड़े निर्माता शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की सहायक कंपनी भाने ग्रुप के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि डीपीआईआईटी और भाने ग्रुप के साथ जो समझौता हुआ है। यह सहकार्यता विनिर्माण के साथ-साथ अन्य उत्पादन क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले स्टार्टअप के लिए इनक्यूबेशन कार्यक्रम शुरू करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप प्रणाली के साथ संबंधों को बढ़ावा देगा। यह समझौता देश में नए विनिर्माण उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा है। मंत्रालय ने कहा कि अपने व्यापक अनुभव से भाने समूह बाजार को लेकर आवश्यक जानकारी प्रदान करके आगामी स्टार्टअप की मदद करेगी। भाने समूह स्टार्टअप्स को विदेशी बाजारों के कामकाज की समग्र समझ बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही स्टार्टअप जीवनचक्र के दौरान परिचालन ज्ञान पर मार्गदर्शन भी देगी।

उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 900 अंक टूटा

निवेशकों को 1 दिन के कारोबार से 5.02 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। इस उतार-चढ़ाव के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 900 अंक तक और निफ्टी करीब 300 अंक तक टूट गए। हालांकि अंत में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर दोनों सूचकांक मामूली रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल और पीएसई इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक, एफएमसीजी और आईटी इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 419.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.63 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.02 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,038 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,902 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 119 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,545 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 482 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 2,063 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 65.03 अंक की कमजोरी के साथ 76,455.35 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 465.57 अंक की मजबूती के साथ 76,985.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 894.20 अंक टूट कर 428.63 अंक की कमजोरी के साथ 76,091.75 अंक तक गिर भी गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 329.92 अंक की गिरावट के साथ 76,190.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 21.45 अंक फिसल कर 23,183.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 141.95 अंक उछल कर 23,347.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया। लिवाली के इस दौर पर दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ब्रेक लगा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 297.30 अंक लुढ़क कर 155.35 अंक की गिरावट के साथ 23,050 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 40 अंक से अधिक की रिकवरी करके 113.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,092.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर 2 प्रतिशत, ब्रिटानिया 1.77 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.76 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.20 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 5.04 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 4.24 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.95 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 2.93 प्रतिशत और बीपीसीएल 2.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एमएनआरई इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में नए भारत का सूर्योदय झांकी करेगा प्रदर्शित

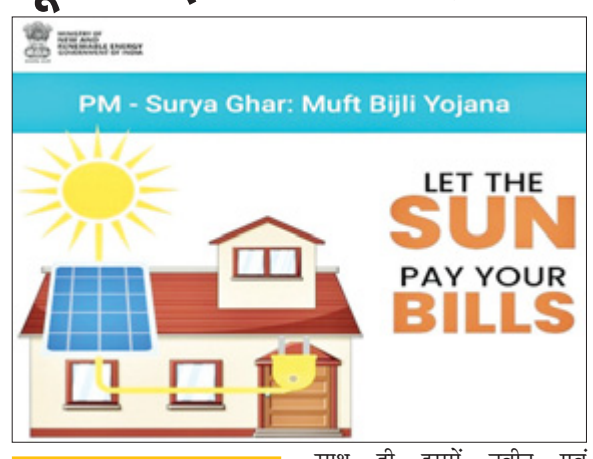

गणतंत्र दिवस परेड में भारत के उभरते अक्षय ऊर्जा परिदृश्य को प्रदर्शित करेगी एमएनआरई की झांकी

नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में आकर्षक झांकी प्रदर्शित करेगा, जिसमें वह भारत के उभरते ऊर्जा परिदृश्य की झलक दिखलाएगा। साथ ही देश की गहरी सांस्कृतिक विरासत मनाते हुए वह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय प्रगति दर्शाएगा।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि यह झांकी मुख्य रूप से महत्वाकांक्षी पहल प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर केंद्रित होगी, जो दुनिया की सबसे बड़ी आवासीय छत सौर पहल है। साथ ही इसमें नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की अन्य परिवर्तनकारी योजनाएं भी दर्शायी जाएंगी। एमएनआरई के ये प्रयास भारत की हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के साथ ही वर्ष 2030 तक करोंड़ो हरित नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के ऊर्जा परिवर्तन (संक्रमण) पर जोर देते हुए झांकी में हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत की प्रगति को भी दर्शाया जाएगा। इसमें पवन ऊर्जा में चौथे सबसे बड़े संस्थापन क्षमता वाले देश के रूप में भारत की स्थिति भी दर्शाई जाएंगी।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि संवहनीय और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भारत के बढ़ते कदम की इस झांकी को देखने वाले पहले लोगों में पीएम सूर्यघर, पीएम कुसुम लाभार्थी और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आमंत्रित नवीकरणीय ऊर्जा तकनीशियनों सहित आठ सौ विशेष अतिथि गणतंत्र दिवस परेड देखने वालों में शामिल होंगे।

क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में फंसी पेटीएम, ईडी की जांच के घेरे में आई

डिजिटल भुगतान की दिग्गज कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस क्रिप्टाकरेंसी घोटाला मामले में ईडी की जांच के घेरे में आ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के दायरे में आने की खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक भारी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेटीएम उन आठ पेमेंट गेटवे कंपनियों में शामिल है, जिनके खिलाफ ईडी ने जांच शुरू की है। इन कंपनियों के वर्चुअल अकाउंट्स में करीब 500 करोड़ रुपए की राशि को ईडी ने फ्रीज कर दिया है। यह कार्रवाई चीनी नागरिकों द्वारा चलाए जा रहे कथित क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में इन कंपनियों की संभावित संलिप्तता के चलते की गई है। आरोप है कि चीन के इन नागरिकों ने एचपीजेड टोकन ऐप के जरिए 20 राज्यों में हजारों लोगों को झांसे में लेकर 2200 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जुटाई। ईडी ने इस घोटाले में पेटीएम समेत अन्य कंपनियों की भूमिका की जांच शुरू की है। इस खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक शुक्रवार को 849.95 रुपए पर खुलने के बाद लगभग 9 फीसदी गिरकर 773.05 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 82,090 रुपये से लेकर 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी गुरुवार के भाव पर ही यानी 75,250 रुपये से लेकर 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु लगातार तीसरे दिन

96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना भी 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी गुरुवार की तरह ही 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से लगातार पांचवें दिन पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से लगातार पांचवें दिन पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले क्षेत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

डावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद जहां कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई, वहीं अमेरिकी बाजार का उत्साह

बढ़ गया। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,117.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.17 प्रतिशत उछल कर 20,043.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 44,567.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह नजर आया। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 8,565.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,892.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 157.26 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,411.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 98 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,159 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत लुढ़क कर 7,213.69 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत फिसल कर 3,803.69 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,929.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,528.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,345.56 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 356.90 अंक यानी 1.78 प्रतिशत उछल कर 20,057.46 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,253.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।